एथनॉल मिक्स्ड पेट्रोल बेचने के लिए हायर रेट्स पर करना होगा बायोफ्यूल का इंपोर्ट

जून से ₹4 महंगा हो सकता है पेट्रोल

[राजीव जायसवाल *नई दिल्ली*]

अगर सरकार अगले महीने से ऑयल कंपनियों को 5 फीसदी एथनॉल मिक्स्ड पेट्रोल बेचने को मजबूर करती है, तो यह करीब 4 रुपए प्रति लीटर महंगा हो सकता है। एथनॉल मिक्स्ड पेट्रोल बेचने के लिए ऑयल कंपनियों को काफी ज्यादा कीमत पर बायोफ्यूल का इंपोर्ट करना होगा।

ऑयल मिनिस्ट्री ने हाल में पेट्रोल के साथ एथनॉल की कंपलसरी ब्लेंडिंग पर कैबिनेट नोट सर्कुलेट किया है। सरकार और इंडस्ट्री ऑफिशियल्स ने कहा कि इससे ऑयल कंपनियों को 105 करोड़ लीटर बायोफ्यूल का ज्यादा कीमत पर इंपोर्ट करना पड़ेगा। उधर, इस महीने के अंत तक फ्यूल रीटेलर्स के पेट्रोल की कीमत में प्रति लीटर 1 रुपए की बढ़ोतरी की उम्मीद है, क्योंकि इंटरनेशनल मार्केट्स में क्रूड ऑयल महंगा हुआ है। वहीं, डॉलर के मुकाबले रुपए की वैल्यू कम होने से भी इसका इंपोर्ट ऑयल कंपनियों को महंगा पड़ रहा है।

ऑफिशियल्स ने कहा कि आम चुनाव करीब होने के चलते एक बार में पेट्रोल की कीमत में 4-5 रुपए लीटर बढ़ोतरी की इजाजत देना सरकार के लिए मुश्किल होगा। एक ऑफिशियल ने कहा, 'इस बारे में अंतिम फैसला कैबिनेट करेगी कि वह पेट्रोल प्राइसेज में तेज बढ़ोतरी की इजाजत देगी या कंज्यूमर को राहत देने के लिए इस फैसले को टाल देगी।'

एथनॉल शुगर का बाय-प्रोडक्ट है। इसे पेट्रोल में मिलाने से इंडिया के ऑयल बिल में कमी आएगी। इससे कार्बन डायऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड इमिशन में करीब 15 फीसदी की कमी आएगी। 5 फीसदी मैंडेटरी ब्लेंडिंग के लिए इंडिया को करीब 105 करोड़ लीटर एथनॉल की जरूरत पड़ेगी। ऑयल कंपनियां इसका एक-तिहाई हिस्सा ही डोमेस्टिक मार्केट से हासिल कर पाएंगी। इंडिया में इसकी कीमत 38-45 रुपए प्रति लीटर है। ऑफिशियल्स ने कहा कि बाकी एथनॉल का करीब 70-91 रुपए प्रति लीटर के रेट पर इंपोर्ट करना होगा, जो पेट्रोल से महंगा है। सरकार सप्लाई और प्राइसिंग से जुड़े मसलों के चलते देश में एथनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल प्रोग्राम को लागू नहीं कर सकी है। इससे पहले उसने बायोफ्यूल की सप्लाई के मुताबिक, अक्टूबर 2007 से 5 फीसदी ब्लेंडिंग को अनिवार्य बनाने और अक्टूबर 2008 से 10 फीसदी ब्लेंडिंग को ऑप्शनल बनाने का फैसला किया था। हालांकि, इस प्लान को ज्यादा कामयाबी नहीं मिली।

पिछले साल नवंबर में कैबिनेट ने 30 जून 2013 से 5 फीसदी एथनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल की बिक्री को अनिवार्य कर दिया था। उसने ऑयल कंपनियों को एथनॉल के डोमेस्टिक और ओवरसीज सप्लायर से बातचीत करने की इजाजत दे दी। हालांकि, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (एचपीसीएल) के एजिक्यूटिव्स ने कहा कि पेट्रोल में महंगा एथनॉल मिलाने में कोई समझदारी नहीं है।

सरकार और इंडस्ट्री ऑफिशियल्स ने कहा कि इससे ऑयल कंपनियों को 105 करोड़ लीटर बायोफ्यूल महंगे भाव पर इंपोर्ट करना पड़ेगा

चुनाव करीब होने के चलते एक बार में पेट्रोल की कीमत में 4-5 रुपए लीटर बढ़ोतरी की इजाजत देना सरकार के लिए मुश्किल होगा

Hindi Economic Times
28/5/13